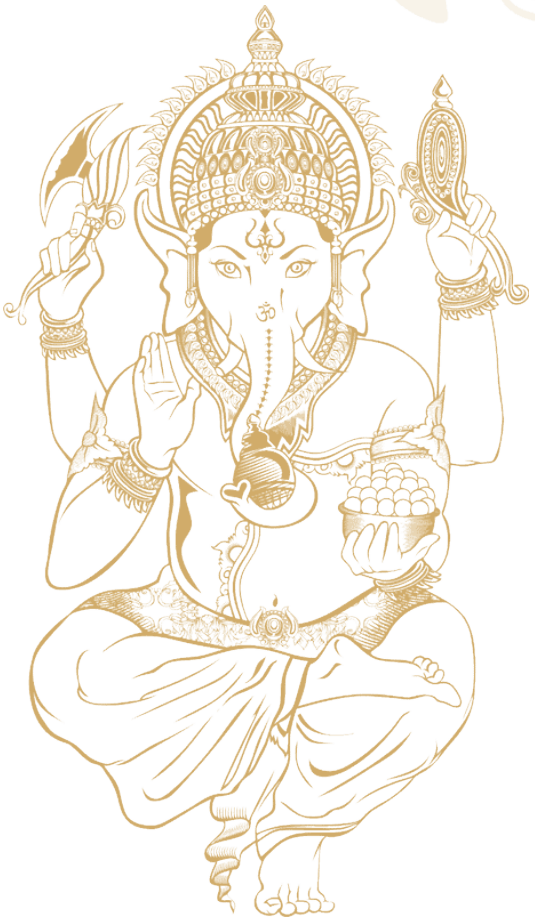

Jai Vershney

25 Aug 1988

09:58 AM

Aligarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121155910

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/08/1988**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**09:58:00 घंटे**
इष्ट	10:12:30 घटी
स्थान	**Aligarh**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:54:00 उत्तर
रेखांश	78:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:40:16 घंटे
वेलान्तर	-00:02:03 घंटे
साम्पातिक काल	07:54:54 घंटे
सूर्योदय	05:53:00 घंटे
सूर्यास्त	18:46:02 घंटे
दिनमान	12:53:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	08:29:30 सिंह
लग्न के अंश	01:38:01 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जा-जामवंत
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	01:38:01	315:19:06	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
सूर्य			सिंह	08:29:30	00:57:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	06:32:19	14:45:19	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
मंगल			मीन	17:44:59	00:01:12	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध			सिंह	27:44:22	01:34:32	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			वृष	10:56:37	00:05:40	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	22:44:28	00:58:43	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		धनु	02:15:04	00:00:30	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	20:24:17	00:01:08	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	20:24:17	00:01:08	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	03:23:49	00:00:34	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
नेप	व		धनु	13:52:51	00:00:46	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	16:25:33	00:01:12	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	02:59:39	--	पुनर्वसु	--	7	चंद्र	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:00

लग्न-चलित

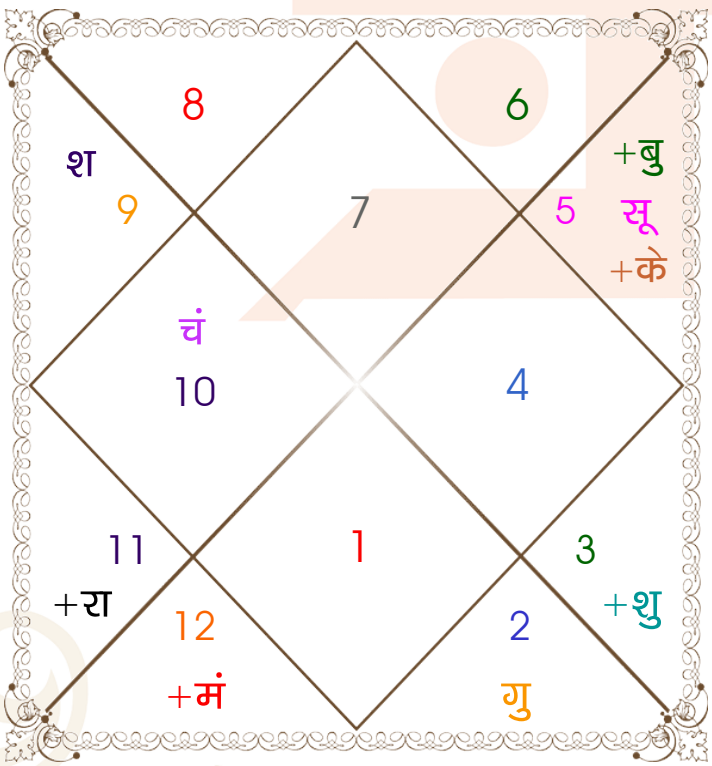

चन्द्र कुंडली

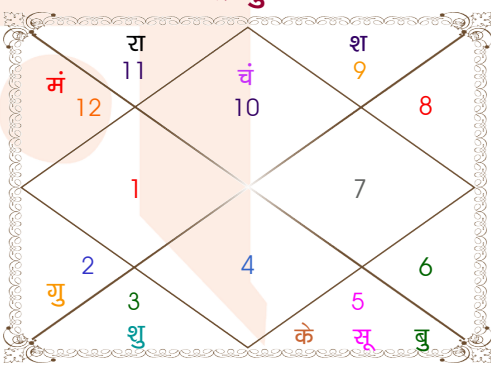

नवमांश कुंडली

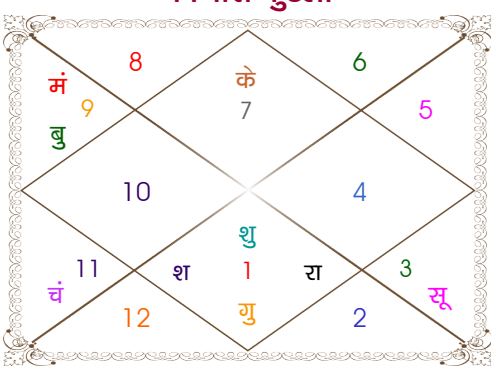

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 6 मास 21 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/08/1988		17/03/1990		16/03/2000		17/03/2007		17/03/2025	
17/03/1990		16/03/2000		17/03/2007		17/03/2025		17/03/2041	
	00/00/0000	चंद्र	15/01/1991	मंगल	12/08/2000	राहु	27/11/2009	गुरु	05/05/2027
	00/00/0000	मंगल	16/08/1991	राहु	31/08/2001	गुरु	22/04/2012	शनि	15/11/2029
	00/00/0000	राहु	14/02/1993	गुरु	07/08/2002	शनि	27/02/2015	बुध	21/02/2032
	00/00/0000	गुरु	16/06/1994	शनि	16/09/2003	बुध	15/09/2017	केतु	27/01/2033
	00/00/0000	शनि	15/01/1996	बुध	12/09/2004	केतु	04/10/2018	शुक्र	28/09/2035
	25/08/1988	बुध	16/06/1997	केतु	08/02/2005	शुक्र	03/10/2021	सूर्य	16/07/2036
बुध	09/11/1988	केतु	15/01/1998	शुक्र	10/04/2006	सूर्य	28/08/2022	चंद्र	15/11/2037
केतु	17/03/1989	शुक्र	16/09/1999	सूर्य	16/08/2006	चंद्र	27/02/2024	मंगल	22/10/2038
शुक्र	17/03/1990	सूर्य	16/03/2000	चंद्र	17/03/2007	मंगल	17/03/2025	राहु	17/03/2041

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
17/03/2041		16/03/2060		17/03/2077		16/03/2084		17/03/2104	
16/03/2060		17/03/2077		16/03/2084		17/03/2104		00/00/0000	
शनि	19/03/2044	बुध	13/08/2062	केतु	13/08/2077	शुक्र	17/07/2087	सूर्य	05/07/2104
बुध	28/11/2046	केतु	10/08/2063	शुक्र	13/10/2078	सूर्य	16/07/2088	चंद्र	04/01/2105
केतु	06/01/2048	शुक्र	10/06/2066	सूर्य	18/02/2079	चंद्र	17/03/2090	मंगल	11/05/2105
शुक्र	08/03/2051	सूर्य	17/04/2067	चंद्र	19/09/2079	मंगल	17/05/2091	राहु	05/04/2106
सूर्य	18/02/2052	चंद्र	15/09/2068	मंगल	15/02/2080	राहु	17/05/2094	गुरु	22/01/2107
चंद्र	18/09/2053	मंगल	12/09/2069	राहु	04/03/2081	गुरु	15/01/2097	शनि	04/01/2108
मंगल	28/10/2054	राहु	01/04/2072	गुरु	08/02/2082	शनि	17/03/2100	बुध	26/08/2108
राहु	03/09/2057	गुरु	07/07/2074	शनि	20/03/2083	बुध	16/01/2103		00/00/0000
गुरु	16/03/2060	शनि	17/03/2077	बुध	16/03/2084	केतु	17/03/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में उच्चाभिलाषी वर्गानुसार जन्म लग्न तुला के उदय काल हुआ था। तुला नवमांश एवं तुला द्रेष्काण के उदय कालीन प्रभाव वर्गोत्तम दशा में अनेकानेक शुभ संकेतों का सृजन कर रहा है। फलस्वरूप आप आरामदायक, उच्च आनन्द प्रदायक जीवन का प्रसन्नता युक्त सुखपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

यह सुनिश्चित है कि आप अपनी अभिरूचि के अनुसार अपनी जीवन संगिनी अर्थात् अपनी पत्नी का चयन करेंगे। आप कामुक प्राणी है। इस प्रभाव से आप अपना अधिक समय प्रेम-प्रसंग के चिंतन तथा प्रेम संबंध स्थापित करने में व्यतीत करेंगे। आप उच्च स्तर के भावुक प्राणी है। आप अपनी संगिनी को हार्दिक प्यार करते हो तथा अनुग्रहपूर्वक वासनात्मक प्रवृत्ति से व्यवहार करते हों। आप पूर्ण रूपेण अपनी संगिनी के प्रति समर्पित प्राणी हैं। यदि आपका संगिनी आपकी अभिरूचि के अनुरूप अथवा आशा के अनुकूल आचरण नहीं करती है तो दोनों के समक्ष संबंधित समस्याएं उत्पन्न हो जाती है। जब आप भी अपनी संगिनी को कुछ उपहार नहीं देते हो लेकिन सामंजस्य स्थापित करने के प्रति कार्यरत हो जाते हैं। आप अपने स्वाभावानुकूल उस व्यक्ति के साथ तारतम्य स्थापित कर सकेंगे, जिनकी राशि मिथुन हो अथवा कुंभ राशि में जन्म हुआ हो। आप यह निश्चित मान कर चले कि आपका मेल मीन मकर एवं कर्क राशि अर्थात् जलीय गुणयुक्त प्राणी से असंभव है।

आपका रंग रूप उत्तम एवं पूर्ण विकसित शरीर होगा। आप पूर्ण युवा शक्ति संपन्न होंगे। परिणामस्वरूप आपके मित्र संबंधित एवं व्यवसायिक मित्रों के मध्य प्रख्यात होंगे। आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप अपने व्यक्तित्व का प्रयोग कर अपनी अच्छी पहचान जन सामान्य की दृष्टि में बनाकर, लाभ प्राप्ति के क्षेत्र में उच्च स्तर प्राप्त करेंगे।

फलस्वरूप आप थोक धन की आय करेंगे तथा बहुतायत में खर्च भी करेंगे। आप यदा कदा बेतुकी बात करके आनन्द प्राप्त करेंगे। आपमें विभिन्न आकर्षक विद्यमान है। आप मुक्त हस्त से धन का व्यय करते हैं। आप सदैव सहृदयता पूर्वक धन का कुछ अंश व्यय करने के लिए उद्यत रहते हैं। आप किसी भी प्रकार की करूण कथा सुन कर यदा कदा किसी को भी मुक्त हस्त से आर्थिक सहयोग करते हैं।

कुछ व्यक्ति आपकी इस प्रकार की उदारतापूर्ण व्यवहार एवं भाव वृद्धि को अनुपयुक्त समझकर आपको अज्ञानी समझते हैं। अतः आप इस प्रकार की उदारतापूर्ण प्रवृत्ति के प्रति अपने विचारों को मेड़ने की शिक्षा ग्रहण करें।

सभी मिला जुलाकर आप बहुत अच्छे एवं सौम्य व्यक्ति हैं। परन्तु यदा-कदा किसी भी सुअवसर पर आप अपने धैर्य की अवनति कर सकते हैं तथा आप प्रतिशोध ले सकते हैं। आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर भली प्रकार प्रतिरोध लगाना होगा। अन्यथा आपकी छवि पर कोई कलंक लग सकता है।

आप सौभाग्यवश शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं निरोग रहेंगे। आप अपनी

मध्यावस्था तक अपने शारीरिक वृद्धि की प्रवृत्ति के प्रत्ति विमुख रहें। उत्तम तो यह है कि आप अधिक भोजन पर अश्रित न रहें तथा भोजन पर नियंत्रण रखें। संप्रति आप किसी प्रकार के रोग से संक्रमित तथा अधीन हो सकते हैं। आप किडनी के रोग एवं मूत्र संबंधी रोग के प्रति सतर्क रहे। आपके लिए यह निर्देश है कि आप अपने घर पर अपने मित्रों के साथ कोई व्रण क्षत के शिकार हो सकते हैं। आपको इस बात के प्रति अनुभव अर्थात् पश्चात करना चाहिए कि बिना मित्र के सहयोग से आपके लिए दायित्व को पूरा करना सहज बात नहीं है।

आपके लिए सेवा व्यवसायों में उपयुक्त एवं प्रभावी कार्य सामाजिक जीवन का नेतृत्व अति अनुकूल प्रतीत होता है। आप गर्वनमेंट सेवक एवं अधिकारी के साथ लोक माध्यम का कार्य करें तो अच्छा है। यदि आप अनुमोदन करे तो आप स्वयं रासायनिक व्यवसाय तरल पदार्थों का व्यवसाय जैसे तेल-धृत आदि अथवा इसके अतिरिक्त आप विधिवेत्ता (वकील) अर्किटेक्ट विक्रय प्रतिनिधि, लेखक गायन वाद्य यंत्रवादक, पार्श्व गायक के साथ-साथ आप राजनीति से भी स्रोत स्थापित रख सकते हैं।

आपके लिए रंगों में उत्कृष्ट नारंगी एवं लाल रंग शुभकारक एवं भाग्यवर्द्धक है। आप पीला एवं हरे रंगों का त्याग कर दें।

आपके लिए अंको में 8 अंक उत्तम एवं धनोपार्जन अथवा धन निवेश हेतु अनुकूल है। साथ ही अंक 1, 2, 4 और 7 अंक सर्वथा अनुकूल है। परन्तु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल अंक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।